RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
25
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

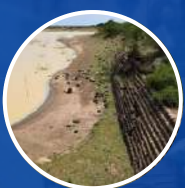

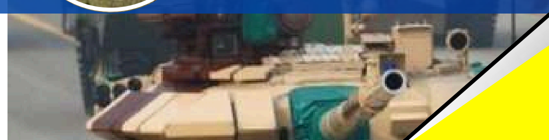

By Ankit Avasthi Sir

भारत और यूनाइटेड किंगडम मुक्त व्यापार समझौता / India and United Kingdom Free Trade Agreement

संदर्भ:

भारत और यूनाइटेड किंगडम (UK) के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (Free Trade Agreement – FTA) 2025 में संपन्न हुआ है। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में लंदन में सम्पन्न हुआ। तीन वर्षों से अधिक चली वार्ता के बाद यह समझौता भारत-UK व्यापार संबंधों में एक नई ऊर्जा और गहराई लाने वाला कदम है।

समझौते की मुख्य बातें:

- यह समझौता भारत से ब्रिटेन को होने वाले **99% निर्यात पर टैरिफ (आयात शुल्क) में छूट** प्रदान करता है।
- इससे भारतीय उत्पाद ब्रिटेन में **सस्ते दरों पर प्रवेश** कर सकेंगे, जिससे दोनों देशों के उपभोक्ताओं और व्यापारियों को लाभ होगा।
- ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत में व्हिस्की, कार और वाइन जैसे उत्पादों की बिक्री पर **टैरिफ को 15% से घटाकर 3%** किया जाएगा।
- इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार **प्रत्येक वर्ष 3 लाख करोड़ रुपये तक** बढ़ने की संभावना है।

FTA क्या होता है?

- FTA यानी **Free Trade Agreement (मुक्त व्यापार समझौता)** एक ऐसा समझौता होता है, जिसमें दो या अधिक देश आपसी व्यापार को आसान बनाने के लिए **टैरिफ कम करते हैं या पूरी तरह समाप्त** कर देते हैं।
- इसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं के **सरल और सस्ते व्यापार** को प्रोत्साहित करना होता है।
- इससे कंपनियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बढ़त मिलती है।

किन उत्पादों पर पड़ेगा सीधा प्रभाव?

- **कारें:** ब्रिटेन की लग्जरी कारें जैसे *जगुआर* और *लैंड रोवर* अब भारत में सस्ती हो सकती हैं।
- **स्कॉच व्हिस्की और वाइन:** इंग्लैंड से आयात होने वाली शराब और वाइन पर टैरिफ में कमी आएगी, जिससे कीमतें घटेंगी।
- **फैशन और कपड़े:** ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन उत्पाद और होमवेयर पहले से किफायती होंगे।
- **फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स:** इंडस्ट्रियल मशीनरी, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स पर लागत घटेगी।
- **रत्न और आभूषण:** भारत के आभूषण और रत्न ब्रिटेन में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बिकेंगे, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

भारत को क्या लाभ मिलेगा?

- भारत का **मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट** वित्त वर्ष 2023-24 में UK को **12.9 बिलियन डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये)** था, जिसे यह समझौता और गति देगा।
- इस डील से भारत को **2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य** को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।
- भारत की डेवलप्ड मार्केट्स तक पहुंच, विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका जैसे बाजारों में, और अधिक मज़बूत होगी।
- निर्यात वृद्धि के साथ-साथ **देश में रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि** की संभावना है।

बातचीत की पृष्ठभूमि:

- भारत और UK के बीच FTA को लेकर वार्ता **13 जनवरी 2022** को प्रारंभ हुई थी।
- लगभग **3.5 साल बाद**, इस समझौते पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए गए।
- **24 फरवरी 2024** को भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन के व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने वार्ता को दोबारा गति देने की घोषणा की थी।

भारत की FTA नीति:

- भारत ने 2014 के बाद से **मॉरीशस, UAE, ऑस्ट्रेलिया और EFTA (यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन)** के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं।
- भारत अब **यूरोपियन यूनियन (EU)** के साथ भी इसी तरह के समझौतों पर सक्रियता से बातचीत कर रहा है।

किन क्षेत्रों और लोगों को होगा सीधा लाभ?

- **भारतीय किसान और व्यापारी:** जो दाल, चावल, मसाले, मेवे आदि ब्रिटेन भेजते हैं।
- **शराब, बीयर और खाद्य उत्पाद उद्योग:** शराब पर पहले 150% टैक्स लगता था, अब यह काफी घटेगा।
- **उपभोक्ता:** दोनों देशों के लोग अब **गाड़ियां, टेक्नोलॉजी, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुएं** पहले से सस्ते दामों में खरीद पाएंगे।
- **रोजगार:** बढ़ते व्यापार और निवेश के चलते दोनों देशों में **रोजगार के नए अवसर** बनेंगे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका समुद्री साझेदारी / India-South Africa Maritime Partnership

संदर्भ:

भारत और दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग में 9वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक के दौरान पनडुब्बी सहयोग से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह घटनाक्रम हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को और गहराने की दिशा में एक अहम कदम है।

प्रमुख समझौतों की विशेषताएँ:

- समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं है, लेकिन ये समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने की मंशा दर्शाते हैं।
- ये सहयोग भारत के 'ब्लू-वॉटर नेवी' (Blue-Water Navy) दृष्टिकोण को सुदृढ़ करेगा, जिससे हिंद और अटलांटिक महासागर दोनों में उसकी पहुंच मजबूत होगी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सहयोग का रणनीतिक महत्व:

- **नीली जल-नीति सहयोग (Blue-Water Collaboration):** दक्षिण अफ्रीका के साथ साझेदारी भारत की समुद्री रणनीति को विस्तृत बनाती है।
- **समग्र समुद्री सुरक्षा:** समझौते सिर्फ पनडुब्बी बचाव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रशिक्षण, निगरानी और संयुक्त अनुसंधान एवं विकास तक विस्तारित हैं।
- **रक्षा उत्पादन:** भारत की रक्षा निर्माण क्षमताएं दक्षिण अफ्रीका की नौसेना आधुनिकीकरण की जरूरतों से मेल खाती हैं।
- **ऐतिहासिक-राजनयिक निकटता:** दोनों देश उपनिवेशवाद और रंगभेद के खिलाफ साझा संघर्ष से जुड़े रहे हैं, जो रक्षा सहयोग को और गहराता है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका द्विपक्षीय संबंध:

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** भारत ने 1946 में रंगभेदी शासन से व्यापारिक संबंध तोड़े थे; 1993 में औपचारिक राजनयिक संबंध बहाल हुए।
- **रणनीतिक साझेदारी:** 1997 के 'लाल किला घोषणा पत्र' ने द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी को आधार प्रदान किया।
- **रक्षा सहयोग:** 1996 से रक्षा साझेदारी सक्रिय है।
    - IBSAMAR (भारत-ब्राज़ील-दक्षिण अफ्रीका) और MILAN जैसे नौसैनिक अभ्यास
    - IFC-IOR (Information Fusion Centre – Indian Ocean Region) में दक्षिण अफ्रीका की भागीदारी
- **राजनीतिक संवाद:** BRICS, G20 और IBSA जैसे मंचों पर नियमित उच्च स्तरीय वार्ताएं, राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा 2019 में भारत के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि रहे।
- **व्यापार और निवेश:**
    - 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार $19.25 बिलियन तक पहुँचा।
    - भारत से वाहन, दवाइयाँ, चावल और रसायन निर्यात होते हैं; दक्षिण अफ्रीका से सोना, कोयला, तांबा, फॉस्फोरिक एसिड और मैंगनीज आयात होता है।
- **शिक्षा और कौशल:**
    - गांधी-मंडेला कौशल केंद्र (2021, प्रिटोरिया)
    - ITEC कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण
- **भारतीय प्रवासी:** दक्षिण अफ्रीका में लगभग 17 लाख भारतीय मूल की जनसंख्या है।

मुख्य चुनौतियाँ:

- **राजनीतिक अनिश्चितता:** दक्षिण अफ्रीका की अस्थिर राजनीतिक स्थिति दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी में बाधा बन सकती है।
- **नीतिगत प्राथमिकताओं में भिन्नता:** भारत समुद्री सुरक्षा को प्राथमिक मानता है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की प्राथमिकताएँ घरेलू सामाजिक-आर्थिक मुद्दे हैं।
- **रणनीतिक भिन्नताएँ:** भारत हिंद महासागर क्षेत्र को आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से केंद्रीय मानता है, पर दक्षिण अफ्रीका का ध्यान अफ्रीकी महाद्वीपीय मुद्दों पर अधिक केंद्रित रहता है।

आगे की राह (Way Forward):

- पनडुब्बी सहयोग भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को नई ऊँचाई दे सकता है, यदि दोनों देश राजनीतिक इच्छाशक्ति बनाए रखें।
- दक्षिण अफ्रीका को अपनी आंतरिक आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा ताकि वह साझेदारी को व्यावहारिक रूप दे सके।
- भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि अफ्रीकी साझेदारियों के साथ किए गए समझौते केवल घोषणाओं तक सीमित न रहें, बल्कि ठोस परिणाम भी सामने आएँ।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 / Henley Passport Index 2025

संदर्भ:

हर साल जारी होने वाला **हेनले पासपोर्ट इंडेक्स** (Henley Passport Index) दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट की रैंकिंग तय करता है। यह इंडेक्स इस आधार पर बनता है कि किसी देश के नागरिक बिना वीज़ा, वीज़ा ऑन अराइवल (VoA), ई-वीज़ा या ट्रैवल परमिट के कितने देशों की यात्रा कर सकते हैं। 2025 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग में बड़ा सुधार हुआ है। भारत 2024 में 85वें स्थान पर था, जबकि 2025 में यह **8 स्थान की छलांग के साथ 77वें स्थान** पर पहुंच गया है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 की मुख्य विशेषताएं:

- **शीर्ष रैंकिंग**:
  - **सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया**: संयुक्त रूप से पहले स्थान पर (193 देशों में वीज़ा-मुक्त यात्रा)।
  - **फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, फिनलैंड**: दूसरे स्थान पर (190 देश)।
  - **यूनाइटेड किंगडम (UK)**: छठे स्थान पर (188 देश)।
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)**: 10वें स्थान पर (185 देश)।
- **निचले रैंक वाले देश**:
  - **पाकिस्तान**: 96वें स्थान पर।
  - **सीरिया, इराक, अफगानिस्तान**: अंतिम तीन पायदान (99वां स्थान — अफगानिस्तान, केवल 25 देश)।

भारत की स्थिति: उल्लेखनीय सुधार:

- **2024 की रैंकिंग**: 85वां स्थान
- **2025 की रैंकिंग**: 77वां स्थान (8 पायदान की छलांग)
- **वीज़ा फ्री/वीज़ा ऑन अराइवल सुविधा**: 59 देशों में
- **2024 में यह संख्या**: 57 थी
- **नए शामिल देश**:
  - **श्रीलंका**
  - **फिलीपींस**

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स क्या है?

- यह इंडेक्स दुनिया के 199 पासपोर्ट की तुलना करता है।
- आंकड़े **IATA (International Air Transport Association)** के Timatic डेटाबेस से लिए जाते हैं।
- गणना प्रणाली:
  - बिना वीज़ा या वीज़ा ऑन अराइवल की अनुमति मिलने पर 1 अंक।
  - वीज़ा की आवश्यकता होने पर 0 अंक।
- कुल स्कोर तय करता है कि किसी देश का पासपोर्ट कितना "शक्तिशाली" है।

पासपोर्ट ताकत तय करने के मानदंड:

- वीज़ा-मुक्त या वीज़ा ऑन अराइवल की सुविधा प्राप्त देशों की संख्या।
- यात्रा की अवधि (छोटी/लंबी अवधि)।
- वीज़ा नियमों की कठोरता या लचीलापन।
- देश की राजनीतिक स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय संबंध।
- आप्रवासन नीति और द्विपक्षीय समझौते।

शक्तिशाली पासपोर्ट के लाभ:

- अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सरलता और कम खर्च।
- पर्यटन, शिक्षा और व्यवसाय में वैश्विक अवसर।
- वैश्विक पहचान में वृद्धि।
- नागरिकों के लिए कम जटिल वीज़ा प्रक्रियाएं।
- देश की **कूटनीतिक शक्ति और वैश्विक नेटवर्किंग** में मजबूती।

निष्कर्ष

भारत का 2025 में हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 77वें स्थान तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत की **अंतरराष्ट्रीय साख और कूटनीतिक संबंध** मजबूत हो रहे हैं। जैसे-जैसे और देश भारत को वीज़ा-मुक्त यात्रा की सुविधा देंगे, भारतीय नागरिकों को वैश्विक यात्रा और अवसरों में अधिक स्वतंत्रता मिलेगी। यह सुधार **भारत के वैश्विक प्रभाव, आर्थिक सशक्तिकरण और विदेश नीति की सफलता** को भी दर्शाता है।

भारतीय परिवारों पर जीएसटी बोझ पर अध्ययन / Study on GST Burden on Indian Households

संदर्भ:

2022-23 के Household Consumption Expenditure Survey (HCES) पर आधारित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी (NIPFP) के प्रो. सच्चिदानंद मुखर्जी द्वारा किए गए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि भारत की GST प्रणाली गरीब और मध्य वर्ग दोनों पर लगभग समान भार डालती है।

प्रमुख निष्कर्ष:

ग्रामीण क्षेत्र:

- निचले 50% उपभोक्ता: **31% GST बोझ**
- मध्य 30% उपभोक्ता: **31%**
- शीर्ष 20% उपभोक्ता: **37%**

शहरी क्षेत्र:

- निचले 50% उपभोक्ता: **29% GST बोझ**
- मध्य 30% उपभोक्ता: **30%**
- शीर्ष 20% उपभोक्ता: **41%** यह आंकड़े Oxfam की 2023 रिपोर्ट से भिन्न हैं, जिसमें कहा गया था कि सबसे गरीब 50% लोग कुल GST संग्रह का दो-तिहाई वहन करते हैं जबकि सबसे अमीर 10% केवल 3-4%।

GST की संरचना और उद्देश्य:

- GST एक **उपभोग आधारित अप्रत्यक्ष कर** है, जिसमें आवश्यक वस्तुएं कम दरों या छूट के तहत रखी जाती हैं।
- विलासिता और गैर-जरूरी वस्तुएं ऊंची दरों पर कर के दायरे में आती हैं।
- सैद्धांतिक रूप से यह **प्रगतिशील कर प्रणाली** मानी जाती है, लेकिन वास्तविकता में इसकी **प्रगतिशीलता सीमित** पाई गई है।

क्यों समान बोझ बन रहा है?

- **उच्च अनिवार्य खर्च:** गरीब वर्ग अपनी अधिकांश आय आवश्यक वस्तुओं पर खर्च करता है जिन पर आंशिक रूप से GST लगता है।
- **सीमित प्रगतिशीलता:** अमीर वर्ग विलासिता की वस्तुएं जरूर खरीदता है, लेकिन GST में उनका योगदान अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ता।
- **GST की संरचना:** कुछ आवश्यक वस्तुओं पर छूट होने के बावजूद, निचले और मध्य वर्ग पर समान भार बना रहता है।
- **अप्रत्यक्ष कर की प्रकृति:** GST आमदनी नहीं बल्कि **खपत पर आधारित** है, जिससे यह **कम प्रगतिशील** हो जाता है।

नीतिगत निहितार्थ:

- **समानता पर असर:** GST आय का पुनर्वितरण प्रभावी ढंग से नहीं कर पा रहा।
- **संभावित प्रतिगतिकता (Regressivity):** गरीबों के लिए यह कर प्रणाली प्रतिगामी हो सकती है।
- **सामाजिक न्याय का प्रश्न:** निचले वर्ग पर लगातार कर भार से कल्याणकारी योजनाओं की आवश्यकता और बढ़ती है।

आगे की राह (Way Forward):

- **प्रगतिशीलता को बढ़ाना:** गरीबों के लिए महत्वपूर्ण वस्तुओं पर GST दर और घटाई जाए।
- **कर छूट प्रणाली को सुदृढ़ करना:** उपभोक्ता व्यवहार और HCES डेटा के आधार पर आवश्यक वस्तुओं की सूची को समय-समय पर संशोधित किया जाए।
- **प्रभाव मूल्यांकन की व्यवस्था:** GST के वितरणीय प्रभावों पर नियमित अध्ययन कर नीति में सुधार किए जाएं।
- **नकद सब्सिडी या टैक्स क्रेडिट:** कमजोर वर्गों के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से कर भार की भरपाई की जा सकती है।

वस्तु एवं सेवा कर (GST): एक संक्षिप्त परिचय

परिभाषा: GST (Goods and Services Tax) एक व्यापक (comprehensive), गंतव्य-आधारित (destination-based) अप्रत्यक्ष कर है जो वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर लगाया जाता है। यह वैट (VAT), उत्पाद शुल्क (Excise), सेवा कर (Service Tax) जैसे विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को समाप्त कर एक ही कर प्रणाली में समाहित करता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **एकीकृत कर प्रणाली:** पूरे देश में 'एक राष्ट्र, एक कर' की अवधारणा।
- **मल्टी-स्टेज टैक्स:** उत्पादन से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक हर चरण पर कर लागू होता है।
- **इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC):** व्यवसायों को खरीद पर दिए गए टैक्स का क्रेडिट बिक्री पर दिए जाने वाले टैक्स से समायोजित करने की सुविधा मिलती है।

विटामिन D / Vitamin D

संदर्भ:

एक प्रमुख नई स्टडी के अनुसार, **विटामिन D का स्तर मानसिक और तंत्रिका विकास संबंधी समस्याओं में भूमिका निभा सकता है।** नीचे विटामिन D से संबंधित सभी प्रमुख तथ्यों को संरचित रूप में प्रस्तुत किया गया है:

विटामिन D क्या है?

- यह एक **वसा में घुलनशील विटामिन** है, जो हड्डियों और रोग प्रतिरोधक प्रणाली के लिए आवश्यक है।
- यह दो मुख्य रूपों में पाया जाता है:
    - **विटामिन D2 (एर्गोकैल्सीफेरोल)** – पौधों और फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों से
    - **विटामिन D3 (कोलीकैल्सीफेरोल)** – त्वचा में सूर्य की UVB किरणों के संपर्क से बनता है; पशु उत्पादों में भी पाया जाता है।

अनुशंसित मात्रा:

- वयस्कों के लिए: **600 IU/दिन**
- वृद्धों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में आवश्यकता अधिक होती है।
- ध्यान दें: **1 IU = 0.025 माइक्रोग्राम कोलीकैल्सीफेरोल या एर्गोकैल्सीफेरोल**

प्रमुख कार्य:

- **कैल्शियम और फॉस्फोरस** का आंतों से अवशोषण सुनिश्चित करना
- **हड्डियों और दांतों** को मजबूत बनाए रखना
- **प्रतिरक्षा प्रणाली** को संतुलित करना
- **मांसपेशी क्रिया** और **कोशिका वृद्धि** में भूमिका निभाना

स्रोत:

- **प्राकृतिक स्रोत:**
    - सूर्य का प्रकाश (प्राकृतिक संश्लेषण), वसायुक्त मछली (जैसे सैल्मन, मैकेरल), अंडे की जर्दी
- **पूरक (Supplements):** खासकर उन लोगों के लिए जिनका जीवन इनडोर है या जो उच्च अक्षांशों में रहते हैं

विटामिन D की कमी से होने वाले रोग:

- **रिकेट्स (Rickets):** बच्चों में हड्डियों का टेढ़ा-मेढ़ा होना
- **ऑस्टियोमलेशिया:** वयस्कों में नरम हड्डियां
- **ऑस्टियोपोरोसिस:** भंगुर हड्डियां

एशियाई विकास बैंक / ADB

संदर्भ:

एशियाई विकास बैंक (ADB) एक प्रमुख **क्षेत्रीय बहुपक्षीय विकास बैंक** है, जिसकी स्थापना **1966** में एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों में **सामाजिक एवं आर्थिक विकास** को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। यह बैंक सदस्य देशों को **वित्तीय सहायता**, **तकनीकी सहयोग**, और **नीतिगत परामर्श** प्रदान करता है ताकि वे **गरीबी उन्मूलन**, **समावेशी विकास**, और **क्षेत्रीय एकता** जैसे लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

ADB के बारे में (About ADB):

- **स्थापना**: वर्ष **1966**
- **मुख्यालय**: **मनीला, फिलीपींस**
- **कुल सदस्य**: **68 देश**: - जिनमें से **49 सदस्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र** से हैं

प्रमुख उद्देश्य:

- विकासशील सदस्य देशों में **गरीबी को कम करना**
- **समावेशी आर्थिक विकास** को बढ़ावा देना
- **पर्यावरणीय रूप से सतत विकास** सुनिश्चित करना
- **क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण** को प्रोत्साहित करना

स्वरूप:

यह एक **बहुपक्षीय विकास बैंक (Multilateral Development Bank)** है, जो अपने सदस्य देशों को **ऋण**, **अनुदान**, और **तकनीकी सहायता** प्रदान करता है।

DHRUVA नीति / DHRUVA Policy

संदर्भ:

भारत सरकार ने **DHRUVA नीति (Digital Hub for Reference and Unique Virtual Address)** की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य **भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी (Geospatial Technology)** की सहायता से पूरे देश में **डिजिटल पतों की संरचना और प्रबंधन** को आधुनिक बनाना है।

DHRUVA क्या है?

DHRUVA एक ऐसा डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है जो **मानकीकृत (Standardized)**, **इंटरऑपरेबल (Interoperable)** और **जियो-कोडेड (Geocoded)** डिजिटल एड्रेसिंग सिस्टम को विकसित करने की दिशा में कार्य करता है। इसका उद्देश्य है भारत को एक 統— **और डिजिटल पते वाली व्यवस्था** की ओर ले जाना जो सभी सरकारी और निजी कार्यों में उपयोगी हो।

मुख्य आधार: Address-as-a-Service (AaaS)

DHRUVA की नींव **AaaS (Address-as-a-Service)** पर आधारित है। AaaS का आशय है एक ऐसा सेवा-संग्रह जिसमें **पता डेटा प्रबंधन से जुड़ी सेवाएं** शामिल होती हैं। इसका उपयोग सरकार, निजी संस्थानों और नागरिकों के बीच **सुरक्षित और कुशल डिजिटल संपर्क** सुनिश्चित करने हेतु किया जाता है।

उद्देश्य (Aim): पता प्रबंधन को सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का अभिन्न हिस्सा बनाना, सरकारी और निजी क्षेत्रों के बीच डेटा का निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करना, सटीक, मानकीकृत और सुरक्षित पते प्रणाली स्थापित करना

प्रमुख विशेषताएँ (Key Features):

1. Digital Postal Index Number (DIGIPIN):

- यह एक **ओपन-सोर्स राष्ट्रीय जियोकोडिंग एड्रेस सिस्टम** है
- भारत को लगभग **4 मीटर x 4 मीटर ग्रिड** में विभाजित करता है
- प्रत्येक ग्रिड को **10-अक्षरों वाला अल्फान्यूमेरिक कोड** प्रदान किया जाता है
- यह कोड **latitude और longitude** निर्देशांक पर आधारित होता है

2. इंटरऑपरेबिलिटी (Interoperability):

- यह प्रणाली **सरकार, नागरिकों और निजी संस्थानों** के बीच **संगत** है
- सभी हितधारक इस प्रणाली का उपयोग करके **संयुक्त समाधान** विकसित कर सकते हैं
- उद्देश्य है **समावेशी और सुरक्षित डिजिटल संरचना** बनाना

3. गोपनीयता (Privacy):

- यह नीति **सहमति-आधारित (consent-based)** और **सुरक्षित** डेटा साझाकरण को सुनिश्चित करती है
- उपयोगकर्ता की **जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा** को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है

4. स्वदेशी तकनीक (Indigenous Technology):

DHRUVA प्रणाली **पूरी तरह से भारतीय तकनीक** पर आधारित है इसका **ओपन-सोर्स आर्किटेक्चर** देश में **घरेलू नवाचार** को बढ़ावा देता है

- इससे **"आत्मनिर्भर भारत"** के लक्ष्य को बल मिलता है

चोल गंगम झील / Chola Gangam Lake

संदर्भ:

तमिलनाडु सरकार ने **ऐतिहासिक चोल गंगम झील (Chola Gangam Lake)** के संरक्षण और विकास के लिए **प्रमुख परियोजना की घोषणा** की है। इसे **पोंनेरी झील** के नाम से भी जाना जाता है।

इतिहास और महत्व:

- झील का निर्माण **राजेन्द्र चोल I (1014–1044 ई.)** ने कराया था।
- यह झील उनके **उत्तर भारत विजय अभियान** की स्मृति में बनाई गई थी और इसमें **गंगा जल लाकर** उनकी नई राजधानी **गंगईकोंडा चोलपुरम** को समर्पित किया गया था।
- यह चोल काल की **जल प्रबंधन प्रणाली और शहरी योजना** का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विशेषताएँ:

- झील और उससे जुड़े **नहरों** ने चोल साम्राज्य की राजधानी के **कृषि, जल आपूर्ति और आर्थिक समृद्धि** में अहम भूमिका निभाई।
- यह झील **चोल इंजीनियरिंग कौशल** और **धार्मिक-राजनीतिक दृष्टिकोण** का प्रतीक मानी जाती है।

परियोजना का उद्देश्य:

- **संरक्षण**, **पुनरुद्धार** और **पर्यटन** को बढ़ावा देना। स्थानीय **जल स्रोतों को पुनर्जीवित** करना और क्षेत्रीय **इतिहास को संरक्षित** करना।
- युवाओं को चोलों की **उन्नत जल-प्रणालियों** और **विरासत की समझ** दिलाना।

महत्वपूर्ण संकेत:

- यह परियोजना राज्य के **सांस्कृतिक पुनरुद्धार प्रयासों** का हिस्सा है।
- इससे **गंगईकोंडा चोलपुरम** जैसे ऐतिहासिक स्थलों को नया जीवन मिलेगा और **स्थानीय रोजगार** के अवसर भी सृजित होंगे।

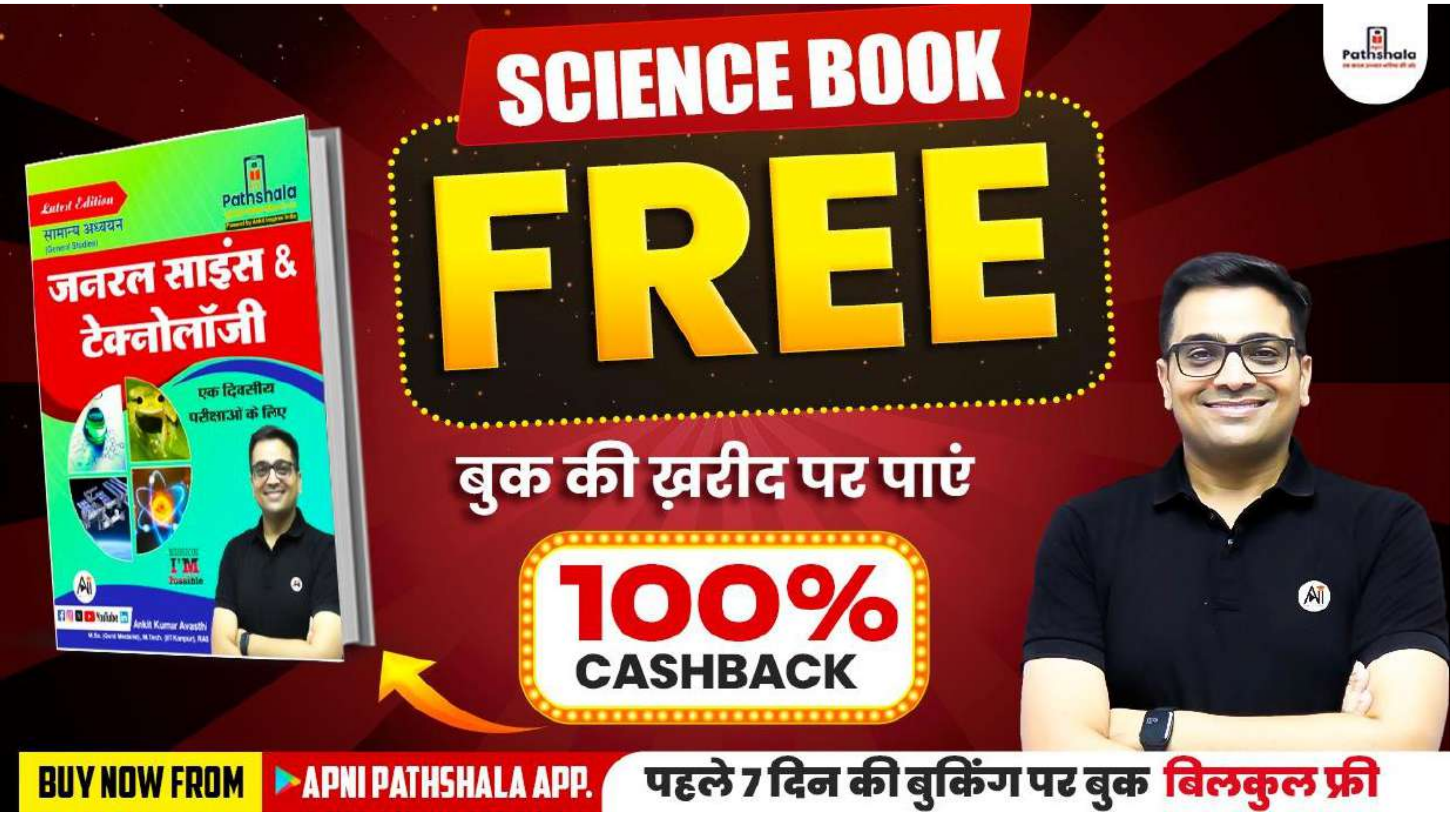
SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री
Pathshala
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय परीक्षाओं के लिए
I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

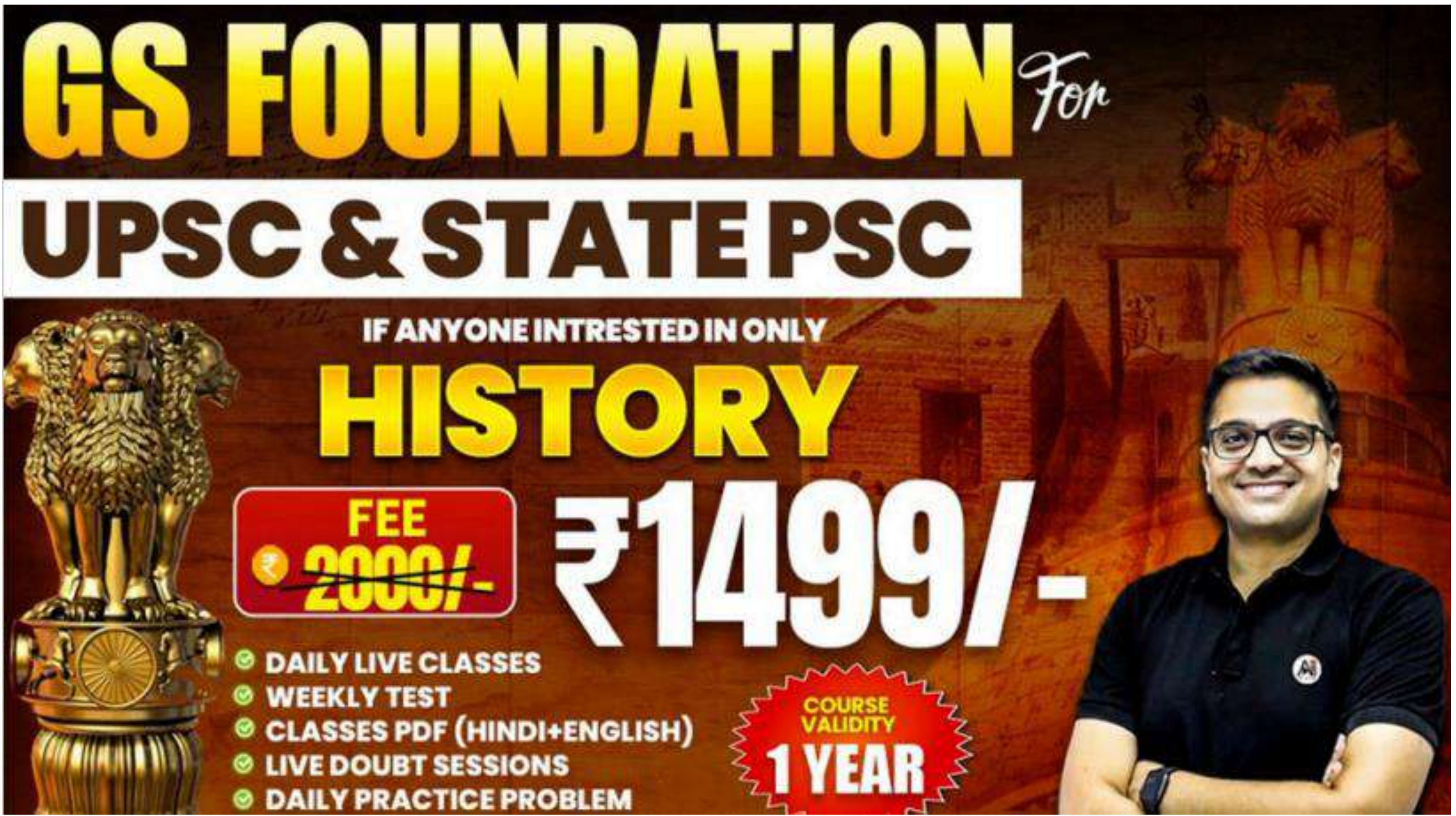
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

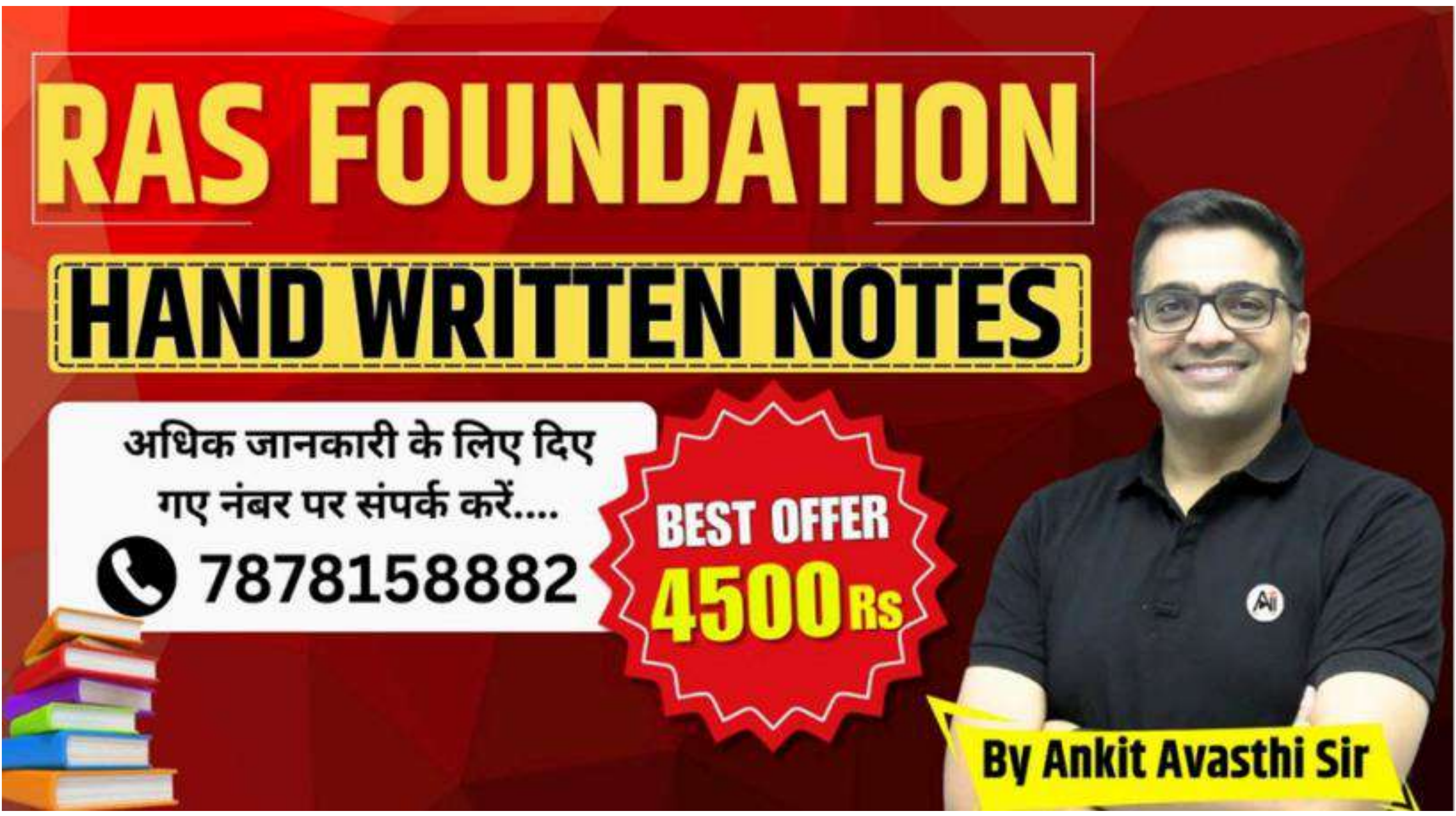
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
Pathshala

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: